Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur

Answer Script Details
Barcode 10451831

Roll No. 23262000043
Total Mark 60/75.00

Exam BACHELOR OF ARTS_ODD EXAM-DEC-24
Subject A300301T - THEORETICAL AND ANALYTICAL STUDY

Question wise Mark Summary

Q.No	Mark	Q.No	Mark	Q.No	Mark	Q.No	Mark
1A	4/5	8C	3/3				
1B	4/5	8D	3/3				
1C	4/5	8E	0/3				
1D	4/5	8F	0/3				
1E	4/5	9	0/15				
1F	5/5						
1G	4/5						
1H	4/5						
1I	4/5						
2	0/15						
3	11/15						
4	0/15						
5	0/15						
6	0/15						
7	0/15						
8A	3/3						
8B	3/3						

Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University
Kanpur, Uttar Pradesh

PART-I

Date of Exam 11/01/2025 Shift IInd Room No. 20.
Paper Code A300301T Subject Sitar Year/Sem IIIrd
Name of Candidate Anushka Pal.
Roll No. 2326200043.

Signature of Candidate: Anushka Pal
Signature of Invigilator
COE Facsimile

PART-II

MARKS OBTAINED										
Q.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(a)										
(b)										
(c)										
(d)										
(e)										
(f)										
(g)										
(h)										
(i)										
(j)										
Total										

Total Marks in Figures | Max. Marks
Total Marks in Words

Paper Code: A300301T

Signature of Evaluator

PART-III

Course B.A fine Arts & Performing Arts
Session 2024-25 Year/Semester IIIrd
Subject Music Sitar.

Paper Code: A300301T
Exam Date: 11012025.
Name of Candidate: ANUSHKA PAL
Father's Name: HARI SHANKAR PAL

महाविद्यालय का कोड College Code: KN015
परीक्षा केन्द्र का कोड Exam Centre Code: KN015

परीक्षा का प्रकार Type of Exam
संस्थागत Regular ● भूतपूर्व परीक्षार्थी Ex. Student ○
व्यक्तिगत Private ○ बैक पेपर परीक्षा Back paper Exam ○

ANSWER BOOKLET NO.
10451831

Paper Code: A300301T

PART-IV

नामांकन संख्या Enrollment Number: CSJMA23000116351.

परीक्षार्थी अनुक्रमांक संख्या Candidate's Roll Number: 2326200043

पेपर कोड Paper Code: A300301T

Signature of Candidate: Anushka pal

Signature of Invigilator

C S Facsimile

COE Facsimile

नोट : 1. परीक्षार्थी को निर्देशित किया जाता है कि आवरण पृष्ठ के पृष्ठ भाग पर अंकित सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ें। 2. गोलों में भरी जाने वाली प्रविष्टियाँ बायीं तरफ से शुरू की जायें। 3. गोलों को काले या नीले बॉलपेन से भरा जाये।

INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-I

1. Read the instructions carefully given on the answer script and admit card.
2. Write Date of Exam, Shift, Paper Code & Name of Subject Correctly.
3. Write Name & Roll No. Correctly.
4. Write Semester & Branch Correctly.

INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-III

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in ☐ Boxes.
2. Carefully study the example before you start marking.
3. As shown in the example below blacken the circles completely.

Correct method	Incorrect method
① ● ③ ④	✓ ✗ ◉ ◉

4. Make no Stray marks on this sheet.
5. **DO NOT WRITE OR MARK ON THE BAR CODE.**

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. प्रवेश पत्र एवं उत्तर पुस्तिका पर दिये गये निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
2. कवर पृष्ठ के दूसरी तरफ कुछ न लिखें।
3. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों पर दोनों तरफ लिखें।
4. प्रश्न पत्र पर अपने अनुक्रमांक के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
5. प्रश्न पत्र कोड एवं प्रश्न पत्र कोड सावधानी पूर्वक लिखें।
6. अपनी स्थिति स्पष्ट लिखें।
7. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों की संख्या देखें। अगर उत्तर पुस्तिका में पृष्ठ (1–24) से कम है या फटे हुए है, तो परीक्षा शुरू होने के पूर्व दूसरी उत्तर पुस्तिका ले लें।
8. प्रश्नपत्र को देख, यदि प्रश्नपत्र के विषय कोड, विषय का नाम तथा प्रश्न में कोई त्रुटि है तो उसके परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट के अन्दर कक्ष निरीक्षक को तत्काल सूचित करें, उसके बाद विश्वविद्यालय द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जायेगी।
9. प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये पैंसिल का प्रयोग न करें।
10. B कॉपी या अतिरिक्त ग्राफ नहीं दिया जायेगा।

IN ORDER TO AVOID UFM (UNFAIR MEANS) :

1. The Roll No. and Answer Book no. found elsewhere or any other symbol found in the answer book will be treated as unfair means.
2. Any tempering of Bar Code and Booklet no shall be treated as Unfair Means.
3. Do Not bring the materials like slip of paper/mobile/digital diaries/ study material/ revision notes in examination hall. Possession of the mobiles/ digital diaries/ electronic watch and any other electronic gadget except memory less scientific calculator shall be considered as UFM case.
4. Do not keep or paste currency note in answer script it shall be consider as UFM.

INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE

1. Read the instructions carefully given on the Question Paper, Admit Card & Answer Script.
2. Do not write anything on back side of the cover page.
3. Write on both sides of pages of answer book.
4. Do not write anything on question paper except Roll Number.
5. Write Paper Code & Question Paper Id carefully.
6. CHECK the number of pages (1-32) or any other kind of damage in your answer script, if found than change the answer script immediately before the commencement of examination.
7. CHECK the Question Paper for any kind of discrepancy e.g. Subject Code, Subject Name and Question of the Question Paper during first THIRTY MINUTES of the commencement of the exam, so that it can be corrected in TIME. After that no corrections shall be entertained by the university.
8. Do not use pencil for answering the question.
9. Write status correctly e.g. those appearing in carry over papers should fill in status as Carry Over. Those appearing as Ex-Students should fill in status as ex.
10. No supplementary answer book & graph paper will be provided.

अनुचित साधन से बचने हेतु:

1. उत्तर पुस्तिका के निर्देशित स्थान को छोड़कर अनुक्रमांक एवं उत्तरपुस्तिका का क्रमांक कहीं और न लिखें तथा कोई भी चिन्ह न बनायें क्योंकि यह अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।
2. उत्तर पुस्तिका के बारकोड अथवा उत्तर पुस्तिका संख्या पर छेड़ करने पर अनुचित साधन प्रयोग माना जायेगा।
3. परीक्षा कक्ष में निम्न वस्तुएं साथ न लायें, जैसे लिखे हुए कागज के टुकड़े, मोबाईल, डिजिटल डायरी, कॉपी, पुस्तक यह सभी वस्तुएं जो अनुचित साधन के अन्तर्गत आती है। केवल संबंधित प्रश्नपत्र में ही मेमोरी लैस साइंटफिक कैल्कुलेटर ले जाने की अनुमन्यता होगी।
4. उत्तर पुस्तिकाओं में रुपये न रखें न ही उत्तर पुस्तिका में चिपकायें। ऐसा करना अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।

INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-IV

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numberals in ☐ Boxes.
2. Use blue or black ball point pen for filling the circles.

	1	8	1	5	4	3	2	1	6	9
⓪	⓪	⓪	⓪	⓪	⓪	⓪	⓪	⓪	⓪	⓪
①	●	①	●	①	①	①	①	●	①	①
②	②	②	②	②	②	②	●	②	②	②
③	③	③	③	③	③	●	③	③	③	③
④	④	④	④	④	●	④	④	④	④	④
⑤	⑤	⑤	⑤	●	⑤	⑤	⑤	⑤	⑤	⑤
⑥	⑥	⑥	⑥	⑥	⑥	⑥	⑥	⑥	●	⑥
⑦	⑦	⑦	⑦	⑦	⑦	⑦	⑦	⑦	⑦	⑦
⑧	⑧	●	⑧	⑧	⑧	⑧	⑧	⑧	⑧	⑧
⑨	⑨	⑨	⑨	⑨	⑨	⑨	⑨	⑨	⑨	●

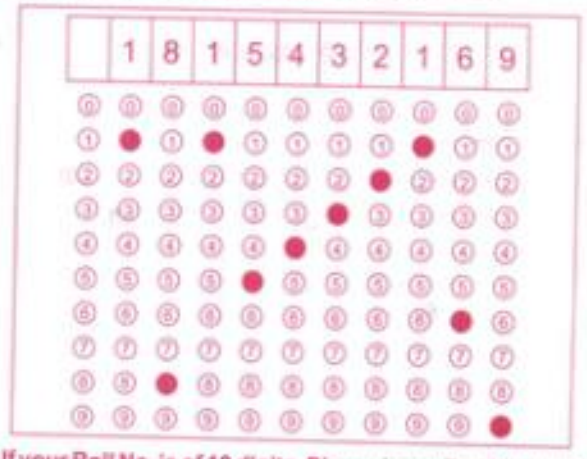

Note - If your Roll No. is of 10 digits. Please leave first three columns.

Paper Code

01

उत्तर क्रमांक 1-(a).

राग भैरव (परिचय)

राग	भैरव
थाट	भैरव
वादी	धैवत
सम्वादी	ऋषभ
जाति	सम्पूर्ण - सम्पूर्ण
स्वर	रे और ध कोमल शेष स्वर शुद्ध
वर्जित स्वर	कोई नहीं
सम्प्रकृति राग	कालिंगड़ा और रामकली
प्रकृति	गंभीर
प्रकार	अहीर भैरव, बैरागी भैरव, आनन्द भैरव
चलन	तीनों सप्तकों में।
गायन समय	प्रातःकाल (4-7)

आरोह - सा रे॒ ग म प ध॒ नि सां।

अवरोह - सां नि ध॒ प म ग रे॒ सा।

पकड़ - ग म ध॒-ध॒ प, ग म रे॒-रे॒-सा।

* यह राग अपने ही थाट से उत्पन्न राग है इसलिए यह राग आश्रय राग है।

* इस राग में रे॒ और ध॒ का आन्दोलन अधिक होता है। जैसे - ग म रे॒-रे॒-सा, ग म ध॒-ध॒-प।

Paper Code

02

उत्तर क्रमांक - 1(b)

कहरवा ताल

यह ताल अत्यंत लोकप्रिय ताल है। इस ताल में लग्गी, लडियाँ मुख्य रूप से बजाई जाती है। यह ताल लोकगीत, सुगम संगीत, फिल्मी संगीत, भजन, गजल में मुख्य रूप से बजाई जाती है। यह ताल तबले पर बन्द बोलों के साथ बजाई जाती है।

मात्राएँ	8
विभाग	2
ताली	1
खाली	5

ठेका

माला	1	2	3	4	5	6	7	8
बोल	धा	गे	न	ति	न	क	धी	ना
चिन्ह	x				0			

दुगुन

माला	1	2	3	4	5	6	7	8
बोल	धागे	नति	नक	धीना	धागे	नति	नक	धीना
चिन्ह	x				2			

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

03

चौगुन

मात्रा	1	2	3	4
बोल	धागेनति	नकधिना	धागेनति	नकधिना
चिन्ह	×			

मात्रा	5	6	7	8
बोल	धागेनति	नकधिना	धागेनति	नकधिना
चिन्ह	○			

उत्तर क्रमांक - 1(c)

मींड

जब हम एक स्वर से दूसरे स्वर तक जाते हैं, ध्वनि को बिना खंडित किए तो इसे मींड कहते हैं। सितार में बाएँ हाथ से खींचकर मींड निकाली जाती है। तार को मिजराब से आघात करने के तुरन्त पश्चात तार को खींचते हैं तो वह अनुलोम मींड कहलाता है, और जब तार को खींचकर मिजराब से आघात करते हैं और वापस तार को अपनी जगह लाते हैं तो इसे विलोम मींड कहते हैं।

घसीट

घसीट का शाब्दिक अर्थ है घसीटना। जब एक स्वर से हम दूसरे स्वर पर घसीटकर जाते हैं तो इसे घसीट कहते हैं, परन्तु जाते वक्त बीच

के स्वरों (परदे) को स्पर्श करते हुए जाते हैं और बीच के स्वरों की ध्वनि कानों को अप्रिय न लगे मतलब मधुर लगे, और प्रारंभ स्वर और अंतिम स्वर की ध्वनि स्पष्ट सुनायी दे तो इसे घसीट कहते हैं।

उत्तर क्रमांक -(d)1

विकृत स्वर

विकृत स्वर वे स्वर होते हैं जिनका प्रयोग राग में नहीं किया जाता है जिन स्वरों का प्रयोग करने से राग की शुद्धता नष्ट हो जाती है। विकृत स्वर को विवादी स्वर भी कहते हैं उदाहरण के रूप में -

राग मालकौंस की जाति औडव - औडव है अर्था

~~स्वर~~

उत्तर क्रमांक 1 (d)

स्वर दो प्रकार के होते हैं -

1. शुद्ध स्वर

2. विकृत स्वर

Do Not Write anything in this Portion

विकृत स्वर कुल 5 होते हैं, 4 कोमल स्वर और 1 तीव्र। कोमल स्वरों के नाम रे, ग, ध, नी और म तीव्र होता हैं। जो स्वर अपने स्थान से नीचे या ऊपर होते हैं वह स्वर विकृत स्वर कहलाते हैं।

उत्तर क्रमांक 1-(e).

राग मालकौंस

रजाखानीमसीतखानी गत

स्थाई-

			ग मम ध नी दा दिर दा रा 3
सा - ध नी दा ऽ दा रा x	ध म गग मम रा दा दिर दिर 2	ग- गनी -नी सा- दा- रदा -रा दा- 0	
			ध निनि सा ग दा दिर दा रा 3.
म म म ध नी दा ऽ दा रा x	ध म गग मम रा दा दिर दिर 2	ग- गनी नी- सा- दा- रदा -रा दा- 0	

अन्तरा -

			म गुगु म धु
			दा दिर दा रा
			३
नी नी सां सां	धुधु नी नी सांसां गुंगुं	नी- नीगुं -गुं सां-	
दा रा रा दा	दिर दिर दिर दिर	दा- रदा रा दा-	
x	२	०	
			सां नी नी धु
			दा रा दा रा
			३.
नी धु म गु	मम धुधु मम मग	गु- गनी -नी सां-	
दा रा रा दा	दिर रा दिर रा	दाऽ रदा -रा दा-	
x	२	०	

प्रश्न क्रमांक 1 (f)

चारताल परिचय

चारताल पखावज की प्रसिद्ध ताल जो पखावज पर जोरदार बोलो के साथ पखावज पर बजाई जाती है । यह ताल ध्रुपद गायन - शैली के साथ बजाई जाती है ।
यह ताल खुले बोलो की ताल है ।
इसमे टुकड़ा, परन रेले आदि चीजे बजाई जाती है । यह ताल एकताल के सामान है बोलो का अन्तर होता है मात्राऐं दोनो मे बराबर होती है। यह 12 मात्रा की ताल है इसमें विभाग 6 होते है, ताल 1, 5, 9, 11 पर और खाली 3, 7 पर।

Paper Code

07

माला	12
विभाग	6
ताली	1, 5, 9, 11
खाली	3, 7

ठाह

माला	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
बोल	धाधा		दिंता		किट	धा	दिं	ता	तिटकत		गदि	गन
चिन्ह	x		0		2		0		3		4	

चौगुन

माला	1	2	3	4
बोल	धाधा दिंता	किटधा दिंता	तिरकत गदिगन	धाधादिंता
चिन्ह	x		0	

माला	5	6	7	8
बोल	किटधादिंता	तिरकटगदिगन	धाधादिंता	किटधादिंता
चिन्ह	2		0	

माला	9	10	11	12
बोल	तिरकटगदिगन	धाधादिंता	किटधादिंता	तिरकतगदिगन
चिन्ह	3		4	

Do Not Write anything in this Portion

उत्तर क्रमांक 1-(g)

राग केदार

राग	केदार
थाट	कल्याण
वादी	मध्यम
सम्वादी	षड्ज
जाति	औडुव - षाड्व
स्वर	दोनों म , शेष स्वर शुद्ध
वर्जित स्वर	आरोह में रे, ग और अवरोह में ग
समप्रकृति राग	हमीर
प्रकार	चाँदनी केदार
प्रकृति	चंचल
चलन	तीनों सप्तकों में।
गायन समय	रात्रि का प्रथम प्रहर

उत्तर क्रमांक 1-(h)

आरोह-

स्वरों के बढ़ते हुए या चढ़ते क्रम को आरोह कहते हैं।
उदाहरण - सा रे ग म प ध नि सां।

अवरोह -

स्वरों के घटते हुए क्रम को या उतरते हुए क्रम को अवरोह कहते हैं।
उदाहरण - सां नि ध प म ग रे सा।

Paper Code

09

उत्तर क्रमांक 1-(i)

राग की जाति 3 प्रकार की होती है -

1. औडव - औडव (5-5)
2. औडव - षाडव (5-6)
3. औडव - सम्पूर्ण (5-7)
4. षाडव - औडव (6-5)
5. षाडव - षाडव (6-6)
6. षाडव - सम्पूर्ण (6-7)
7. सम्पूर्ण - औडव (7-5)
8. सम्पूर्ण - षाडव (7-6)
9. सम्पूर्ण - सम्पूर्ण (7-7)

राग की जो जाति होती है इनमें से उतने ही राग में स्वरों का प्रयोग किया जाता है।
जैसे जाति किसी राग की सम्पूर्ण - षाडव है तो राग के आरोह में 7 स्वर प्रयोग होंगे और अवरोह में 6 स्वर प्रयोग होंगे।

खण्ड (ब)

उत्तर क्रमांक - 3

राग भैरव

राग	भैरव
थाट	भैरव
वादी	ध
सम्वादी	रे
जाति	सम्पूर्ण - सम्पूर्ण
स्वर	रे, ध कोमल, शेष स्वर शुद्ध

वर्जित स्वर	कोई नहीं
सम्प्रकृतिराग	कलिंगडा और रामकली
प्रकृति	गंभीर
प्रकार	शुद्ध भैरव, वैरागी भैरव
न्यासके स्वर	सा रे, ध, प
चलन	तीनों सप्तकों में
गायन समय	प्रातःकाल (6 से 9)

राग विवरण

यह राग अपने ही थाट से उत्पन्न माना गया है यह राग भैरव थाट का राग है इसी जाति सम्पूर्ण - सम्पूर्ण है, इसका वर्जित स्वर कोई नहीं है। इसका वादी धैवत और सम्वादी ऋषभ है।

विशेषताएँ -

1. यह राग अपने ही थाट का राग है जिसे आश्रय राग कहते है।

2. इस राग में गंभीरता बहुत पायी जाती है यह प्रातः काल का गाया जाता है।

3. इस राग में ठुमरी नहीं गायी जाती है।

4. इस राग में बड़ा ख्याल, छोटा ख्याल, तराना, झाला, मसीतखानी गत, रजाखानी गत गायी बजाई जाती है।

Do Not Write anything in this Portion

5. इस राग के न्यास के स्वर सा, रे, ध, प होते हैं।

6. इसमें रे और ध पर आन्दोलन अधिक दिखाया जाता है।
जैसे - ग म ध-ध-प , ग म रे-रे-सा ।

7. इसका आरोह - सा रे ग म प ध नी सां।

8. अवरोह - सां नि ध प म ग रे सा।

9. पकड़ - ग म ध-ध-प , ग म रे-रे-सा।

तोड़े - ① सारे रेग गप मध धप मग रेसा ।

② सासा रेरे गग मम पप धध नीनी सांसां

खण्ड - (स)

उत्तर क्रमांक - 8

(a) नाद - संगीत में जो मधुर ध्वनि का उपयोग करते हैं इसे नाद कहते हैं। नियमित और स्थिर आन्दोलन करने वाली मधुर ध्वनि को नाद कहते हैं, दूसरे शब्दों में संगीतोपयोगी मधुर ध्वनि को नाद कहते हैं।

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

नाद दो प्रकार के होते है —

① आहत नाद

② अनाहत नाद

आहत नाद - किन्ही दो वस्तुओं के घर्षण से या टकराहट से जो ध्वनि उत्पन्न होती है उसे नाद कहते है।

अनाहत नाद - यह नाद संगीतोपयोगी नहीं होती है।

नाद की 3 विशेषतायें होती है -

1- नादका छोटा -बड़ा होना।

2. नाद का ऊँचा नीचा।

3- नाद की जाति व गुण।

(b) वक्र स्वर -

वक्र स्वर का अर्थ है टेढ़ा। जिस स्वरों के समूह का उपयोग सीधा न होकर टेढा होता है उसे वक्र स्वर कहते है।
उदाहरण - राग गौड़सारंग में वक्र स्वरो का प्रयोग होता है।

Do Not Write anything in this Portion

(c) वर्जित स्वर -

जिन स्वरों का राग में प्रयोग नहीं किया जाता है तथा इनका प्रयोग करने से राग की शुद्धता नष्ट हो जाती है इन्हें वर्जित स्वर कहते हैं।
उदाहरण - राग मालकौंस का वर्जित स्वर - रे और प है।

(d) कृन्तन -

कृन्तन का उपयोग विशेष रूप से सितार में ही होता है। शीघ्रता से दो, तीन, या चार स्वरों के समूहों के प्रयोग को कृन्तन कहते हैं।
उदाहरण ⇒ तीन - रेसानी , चार - रेसानिरे

पं॰ रविशंकर ने कृन्तन के लि (⌐¬) यह चिन्ह बनाया है जैसे - रेसानिरे

(e) कण -

कण का अर्थ है प्रारंभ स्वर और अंतिम स्वर को स्पर्श करते हुए जाते हैं इसे कण कहते हैं।
कण का अर्थ है (तिनका)।
कण को (स्पर्श स्वर) भी कहते हैं।

(f) जमजमा -

सितार पर तर्जनी से तार को दबाए रखने के बाद मध्यमा से जोर से मारने को जमजमा कहते हैं।

Do Not Write anything in this Portion

X

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

Do Not Write anything in this Portion

X

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

X

Do Not Write anything in this Portion

X

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

21

Do Not Write anything in this Portion

Do Not Write anything in this Portion

X

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

Do Not Write anything in this Portion